an>

Title: Need to provide adequate wages to Aanganbadi workers.

डॉ. भोला सिंह (बेगूसराय) ः देश भर में लाखों आंगनबाड़ी सेविकाएं बेबसी की जिंदगी संपूर्ण देश में ढो रही हैं। ये आंगनबाड़ी सेविकाएं ग्रामीण जीवन में जीवन-मृत्यु के साथ अन्य सारी सामाजिक सांस्कृतिक चेतना की वाहक हैं, पर स्वयं उनका जीवन आंसुओं में डूबा हुआ है। मात्र 3000 रूपए मानदेय के आधार पर आंगनबाड़ी केंद्रों में ये सेविकाएं अलख जगा रही हं। इससे न इन्हें पेट की रोटी प्राप्त होती है, न अपने बच्चों का ख्याल कर पाती हैं, न ही अपने परिवार की देखभाल कर पाती है। आज जब सरकार दैनिक मजदूरों को प्रतिदिन 250-300 रू. दैनिक मजदूरी देने का प्रावधान किए हुए हैं, वहाँ आंगनबाड़ी सेविकाएं मात्र 3000 रूपए मानदेय पर अपनी गुजर-बसर करते हुए अथक परिश्रम करती हैं। इन्हें विभाग के पदाधिकारियों को भी, पर्यवेक्षिकाओं को भी इसी 3000 रूपए में उन्हें नियमित रूप से देने के लिए बाध्य होना पड़ता है। केंद्र सरकार जिसे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने गरीबों, मजलूमों के लिए जिंदगी के आसमान का द्वारा खोला है, वहीं आंगनबाड़ी सेविकाएं यथोचित पारिश्रमिक नहीं मिलने से व्यथित हैं। यह विरोधाभास जनतांत्रिक व्यवस्था में दुखदायी है। इन आंगनबाड़ी सेविकाओं को सरकारी कर्मचारी की मान्यता देकर इनकी जिंदगी में खुशियाँ लाने के लिए सरकार अविलंब कदम उठाए और इस प्रताड़ित जीवन से उन्हें छुटकारा देने के लिए यश का भागी बने।